मौके पर छात्राएं एवं शिक्षिकाएं।

# नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत कर छात्रों ने दिया खाद्य सुरक्षा एवं पोषक खानपान के प्रति जागरूकता का संदेश

गोहाना, 18 अक्तूबर (रामनिवास धीमान): भगत फुल सिंह महिला विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूट ऑफ हायर लर्निंग में खाद्य एवं पोषण विभाग द्वारा वर्ल्ड फूड डे के अवसर पर विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जिसमें छात्राओं ने उभाग लिया। इस दौरान छात्राओं को वैश्विक भूख, खाद्य सुरक्षा तथा सस्टेनेबल कृषि के प्रति जागरूक किया महिला विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुदेश ने कहा कि भोजन केवल हमारी जरूरत नहीं, बल्कि एक बुनियादी अधिकार है। कार्यक्रम का शुभारंभ आई.एच.एल. की प्राचार्या डॉ. वीना ने किया। इस दौरान छात्राओं को इस वर्ष के खाद्य दिवस के थीम -राइट टू फूड फॉर ए बेटर लाइफ एंड बेटर फ्यूचर की जानकारी दी गई। छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाषण तथा काव्य पाठ प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया। उन्होंने खाद्य सुरक्षा एवं पोषक खानपान के प्रति जागरूकता का संदेश देता एक नुक्कड़ नाटक भी प्रस्तुत किया। इसी कड़ी में बीएससी (होम साइंस) तृतीय वर्ष की छात्राओं ने प्राध्यापिकाओं डॉ. कल्पना एवं प्रीति धनखड़ के मार्गदर्शन में फूड स्टॉल भी लगाया, जहां उन्होंने वेज कटलेट एवं जलजीरा बनाया। इस अवसर पर इस अवसर पर प्रो. बीनु तंवर, डॉ. परविंदर कौर तथा प्रीति धनखड़ सहित अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

अजीत समाचार
19-Oct-2024
Page: 8
उत्तर भारत का सम्पूर्ण अख़बार
http://www.ajitsamachar.com/20241019/27/8/1_1.cms

व्याख्यान को संबोधित करते हुए मुख्य वक्ता।

# रीडिंग लिटरेरी टेक्स्ट्स: व्हाई, व्हिच, एंड हाउ व्याख्यान का किया आयोजन

गोहाना, 18 अक्तूबर (रामनिवास धीमान): खानपुर कलां स्थित भगत फुल सिंह महिला विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग में एक विस्तार व्याख्यान का आयोजन किया गया, जिसका विषय 'रीडिंग लिटरेरी टेक्स्ट्स: व्हाई, व्हिच, एंड हाउ' रहा। बतौर मुख्य वक्ता, एमडीयू रोहतक के अंग्रेजी एवं विदेशी भाषा विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. जयबीर सिंह हुड्डा ने शिरकत की। उन्होंने अपने व्याख्यान में साहित्यिक जुड़ाव से संबंधित प्रमुख प्रश्नों पर चर्चा की-हम क्यों पढ़ते हैं, कौन से ग्रंथों का चयन करें और विश्लेषणात्मक मानसिकता के साथ उनका अध्ययन कैसे करें। प्रो. जयबीर सिंह हुड्डा ने बताया कि पढ़ने में सुनना और देखना शामिल है। साहित्यिक विधाओं और परंपराओं के उदाहरण देकर प्रो. हुड्डा ने ग्रंथों की प्रासंगिक समझ, व्याख्या और आलोचनात्मक प्रशंसा के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि साहित्यिक रचनाएं मानव अनुभव की ऐसी खिड़कियों के रूप में काम करती हैं, जो समाज, संस्कृति और व्यक्तिगत मनोविज्ञान में गहन अंतर्दृष्टि प्रदान करती हैं। व्याख्यान उपरांत उन्होंने प्रतिभागियों के प्रश्नों के उत्तर दिए। इस अवसर पर डीन, कला एवं भाषा संकाय प्रो. अशोक वर्मा, प्रो. गीता फोगाट ने भी संबोधन किया। कार्यक्रम मे मुख्य वक्ता को पौधा भेंटकर सम्मानित किया। इस अवसर पर विभाग के प्राध्यापक, शोधार्थी एवं छात्राएं उपस्थित रहे।

अजीत समाचार
19-Oct-2024
Page: 8
उत्तर भारत का सम्पूर्ण अख़बार
http://www.ajitsamachar.com/20241019/27/8/1_1.cms

हरिभूमि

epaper.haribhoomi.com
Rohtak Sonipat 19.10.2024 - 19 Oct 2024 - Page 3

# साहित्य समाज, संस्कृति व मनोविज्ञान को समझने में मदद करता है : प्रो. जयवीर

- महिला विवि के अंग्रेजी विभाग में एक विस्तार व्याख्यान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय, खानपुर कलां के अंग्रेजी विभाग में एक विस्तार व्याख्यान का आयोजन किया गया, जिसका विषय रीडिंग लिटरेरी टेक्स्ट्स व्हाई व्हिच एंड हाउ रहा। बतौर मुख्य वक्ता, एमडीयू रोहतक के अंग्रेजी एवं विदेशी भाषा विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. जयबीर सिंह हुड्डा ने शिरकत की। प्रो. जयबीर सिंह हुड्डा ने अपने व्याख्यान में साहित्यिक जुड़ाव से संबंधित प्रमुख प्रश्नों जैसे कि हम क्यों पढ़ते हैं, कौन से ग्रंथों का चयन करें और विश्लेषणात्मक मानसिकता के साथ उनका अध्ययन कैसे करें पर चर्चा की। हुड्डा ने साहित्यिक विधाओं और परंपराओं के उदाहरण देकर ग्रंथों की प्रासंगिक समझ, व्याख्या और आलोचनात्मक प्रशंसा के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि साहित्यिक रचनाएं मानव अनुभव की ऐसी खिड़कियों के रूप में काम करती हैं, जो समाज, संस्कृति और व्यक्तिगत मनोविज्ञान में गहन अंतर्दृष्टि प्रदान करती हैं। व्याख्यान उपरांत उन्होंने प्रतिभागियों के प्रश्नों के उत्तर दिए। डीन, कला एवं भाषा संकाय प्रो. अशोक वर्मा ने कार्यक्रम की विषय वस्तु पर प्रकाश डाला। शोधार्थी सोनम ने वक्ता का परिचय दिया। कार्यक्रम के अंत में अंग्रेजी विभाग की अध्यक्षा प्रो. गीता फोगाट ने धन्यवाद ज्ञापित किया तथा मुख्य वक्ता को पौधा भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर विभाग के प्राध्यापक, शोधार्थी एवं छात्राएं उपस्थित रहे।

गोहाना। व्याख्यान के मुख्य वक्ता को पौधा भेंट करते हुए प्रो. गीता फोगाट।

# महिला विवि में साहित्यिक पठन-पाठन पर व्याख्यान आयोजित

**ऋषि की आवाज खानपुर कलां।** भगत फूल सिंह महिला विवि के अंग्रेजी विभाग में विषय रीडिंग लिटरेरी टेक्स्ट्सः व्हाई, व्हिच, एंड हाउः विषय पर एक विस्तार व्याख्यान का आयोजन किया गया। बतौर मुख्य वक्ता, एमडीयू रोहतक के अंग्रेजी एवं विदेशी भाषा विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. जयबीर सिंह हुड्डा ने शिरकत की। मुख्य वक्ता, प्रो. जयबीर सिंह हुड्डा ने अपने व्याख्यान में साहित्यिक जुड़ाव से संबंधित प्रमुख प्रश्नों पर चर्चा की - हम क्यों पढ़ते हैं, कौन से ग्रंथों का चयन करें और विश्लेषणात्मक मानसिकता के साथ उनका अध्ययन कैसे करें। उन्होंने बताया कि पढ़ने में सुनना और देखना शामिल है। उन्होंने इस बात पर भी प्रकाश डाला कि प्राचीन काल में कहानी कहने से लेकर आज के सोशल मीडिया तक, रोज़मर्रा की ज़िंदगी में साहित्य किस प्रकार अपरिहार्य है। साहित्यिक विधाओं और परंपराओं के उदाहरण देकर मुख्य वक्ता ने ग्रंथों की प्रासंगिक समझ, व्याख्या और आलोचनात्मक प्रशंसा के महत्व को रेखांकित किया। व्याख्यान उपरांत उन्होंने प्रतिभागियों के प्रश्नों के उत्तर दिए। अंग्रेजी विभाग की अध्यक्षा प्रो. गीता फोगाट ने धन्यवाद ज्ञापित किया तथा मुख्य वक्ता को पौधा भेंट कर सम्मानित किया।

# खाद्य सुरक्षा के लिए कार्य करना हम सभी की जिम्मेवारी: प्रो. सुदेश

**ऋषि की आवाज खानपुर कलां।** विश्व खाद्य दिवस के मौके पर भगत फूल सिंह महिला विवि के इंस्टीट्यूट ऑफ हायर लर्निंग में खाद्य एवं पोषण विभाग द्वारा आयोजित विभिन्न गतिविधियों में छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस दौरान छात्राओं को वैश्विक भूख, खाद्य सुरक्षा तथा सस्टेनेबल कृषि के प्रति जागरूक किया गया।

कुलपति प्रो. सुदेश ने अपने संदेश में आयोजन के लिए शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भोजन केवल हमारी जरूरत नहीं, बल्कि एक बुनियादी अधिकार है। एक स्वस्थ एवं पोषित राष्ट्र के निर्माण के लिए पौष्टिक आहार अत्यंत आवश्यक है तथा खाद्य सुरक्षा के लिए कार्य करना हम सभी की जिम्मेवारी है। कार्यक्रम का शुभारंभ आईएचएल प्राचार्या डॉ. वीना ने किया। छात्राओं को खाद्य दिवस के इस वर्ष के थीम - राइट टू फूड फॉर ए बेटर लाइफ एंड बेटर फ्यूचर की जानकारी दी गई। छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाषण तथा काव्य पाठ प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया तथा खाद्य सुरक्षा एवं पोषक खानपान के प्रति जागरूकता का संदेश देता एक नुक्कड़ नाटक भी प्रस्तुत किया। एमएससी प्रथम व द्वितीय वर्ष की छात्राओं तथा विभाग की शोधार्थियों ने पोषक रेसिपियों द्वारा स्वादिष्ट व्यंजन भी तैयार किए।

प्राध्यापिकाओं डॉ. कल्पना एवं प्रीति धनखड़ के मार्गदर्शन में बीएससी (होम साइंस) की छात्राओं ने फूड स्टॉल भी लगाया, जहां उन्होंने वेज कटलेट एवं जलजीरा बनाया। छात्राओं एवं स्टाफ सदस्यों ने इस फूड स्टॉल के स्वादिष्ट व्यंजनों का लुत्फ उठाया तथा इस प्रयास की सराहना की।

# महिला विवि में साहित्यिक पठन-पाठन पर व्याख्यान आयोजित

खानपुर कलां, चेतना संवाददाता। भगत फूल सिंह महिला विवि के अंग्रेजी विभाग में विषय ÷रीडिंग लिटरेरी टेक्स्ट्स- व्हाई, व्हिच, एंड हाउ÷ विषय पर एक विस्तार व्याख्यान का आयोजन किया गया। बतौर मुख्य वक्ता, एमडीयू रोहतक के अंग्रेजी एवं विदेशी भाषा विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. जयबीर सिंह हुड्डा ने शिरकत की। मुख्य वक्ता, प्रो. जयबीर सिंह हुड्डा ने अपने व्याख्यान में साहित्यिक जुड़ाव से संबंधित प्रमुख प्रश्नों पर चर्चा की - हम क्यों पढ़ते हैं, कौन से ग्रंथों का चयन करें और विश्लेषणात्मक मानसिकता के साथ उनका अध्ययन कैसे करें। उन्होंने बताया कि पढ़ने में सुनना और देखना शामिल है। उन्होंने इस बात पर भी प्रकाश डाला कि प्राचीन काल में कहानी कहने से लेकर आज के सोशल मीडिया तक, रोज़मर्रा की ज़िंदगी में साहित्य किस प्रकार अपरिहार्य है।

## नुक्कड़ नाटक, फूड स्टॉल, भाषण व काव्य पाठ आयोजित

# खाद्य सुरक्षा के लिए कार्य करना हम सभी की जिम्मेवारी : वीसी

**खानपुर कलां, चेतना संवाददाता।** विश्व खाद्य दिवस के मौके पर भगत फूल सिंह महिला विवि के इंस्टीट्यूट ऑफ हायर लर्निंग में खाद्य एवं पोषण विभाग द्वारा आयोजित विभिन्न गतिविधियों में छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस दौरान छात्राओं को वैश्विक भूख, खाद्य सुरक्षा तथा सस्टेनेबल कृषि के प्रति जागरूक किया गया।

कुलपति प्रो. सुदेश ने अपने संदेश में आयोजन के लिए शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भोजन केवल हमारी जरूरत नहीं, बल्कि एक बुनियादी अधिकार है। एक स्वस्थ एवं पोषित राष्ट्र के निर्माण के लिए पौष्टिक आहार अत्यंत आवश्यक है तथा खाद्य सुरक्षा के लिए कार्य करना हम सभी की जिम्मेवारी है।

कार्यक्रम का शुभारंभ आईएचएल प्राचार्या डॉ. वीना ने किया। इस दौरान प्रो. बीनु तंवर, डॉ. परविंदर कौर तथा प्रीति धनखड़ सहित अन्य स्टाफ सदस्य मौजूद रहे। छात्राओं को खाद्य दिवस के इस वर्ष के थीम -राइट टू फूड फॉर ए बेटर लाइफ एंड बेटर फ्यूचर की जानकारी दी गई। छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाषण तथा काव्य पाठ प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया तथा खाद्य सुरक्षा एवं पोषक खानपान के प्रति जागरूकता का संदेश देता एक नुक्कड़ नाटक भी प्रस्तुत किया। एमएससी प्रथम व द्वितीय वर्ष की छात्राओं तथा विभाग की शोधार्थियों ने पोषक रेसिपियों द्वारा स्वादिष्ट व्यंजन भी तैयार किए।

प्राध्यापिकाओं डॉ. कल्पना एवं प्रीति धनखड़ के मार्गदर्शन में बीएससी (होम साइंस) की छात्राओं ने फूड स्टॉल भी लगाया, जहां उन्होंने वेज कटलेट एवं जलजीरा बनाया। छात्राओं एवं स्टाफ सदस्यों ने इस फूड स्टॉल के स्वादिष्ट व्यंजनों का लुत्फ उठाया तथा इस प्रयास की सराहना की।

Skyscanner
Hyderabad to New Delhi
from Hyderabad
from Rs8,487
Search



Play / Stop Audio

# खाद्य सुरक्षा के लिए कार्य करना हम सभी की जिम्मेवारीः वीसी प्रो. सुदेश

Skyscanner
from Rs22,742
New Delhi to Bali (Denpasar)
Search

HAMPTON SKY REALTY LIMITED
We are 600+ family strong
Yours could be next
RERA NO : PBRERA-LDH44-PR0449
HAMPTON HOMES
BUILDING AN AFFORDABLE TOMORROW

खानपुर कलां, गिरीश सैनी। विश्व खाद्य दिवस के मौके पर भगत फूल सिंह महिला विवि के इंस्टीट्यूट ऑफ हायर लर्निंग में खाद्य एवं पोषण विभाग द्वारा आयोजित विभिन्न गतिविधियों में छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस दौरान छात्राओं को वैश्विक भूख, खाद्य सुरक्षा तथा सस्टेनेबल कृषि के प्रति जागरूक किया गया।

कुलपति प्रो. सुदेश ने अपने संदेश में आयोजन के लिए शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भोजन केवल हमारी जरूरत नहीं, बल्कि एक बुनियादी अधिकार है। एक स्वस्थ एवं पोषित राष्ट्र के निर्माण के लिए पौष्टिक आहार अत्यंत आवश्यक है तथा खाद्य सुरक्षा के लिए कार्य करना हम सभी की जिम्मेवारी है।

कार्यक्रम का शुभारंभ आईएचएल प्राचार्या डॉ. वीना ने किया। इस दौरान प्रो. बीनु तंवर, डॉ. परविंदर कौर तथा प्रीति धनखड़ सहित अन्य स्टाफ सदस्य मौजूद रहे। छात्राओं को खाद्य दिवस के इस वर्ष के थीम -राइट टू फूड फॉर ए बेटर लाइफ एंड बेटर फ्यूचर की जानकारी दी गई। छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाषण तथा काव्य पाठ प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया तथा खाद्य सुरक्षा एवं पोषक खानपान के प्रति जागरूकता का संदेश देता एक नुक्कड़ नाटक भी प्रस्तुत किया। एमएससी प्रथम व द्वितीय वर्ष की छात्राओं तथा विभाग की शोधार्थियों ने पोषक रेसिपियों द्वारा स्वादिष्ट व्यंजन भी तैयार किए।

प्राध्यापिकाओं डॉ. कल्पना एवं प्रीति धनखड़ के मार्गदर्शन में बीएससी (होम साइंस) की छात्राओं ने फूड स्टॉल भी लगाया, जहां उन्होंने वेज कटलेट एवं जलजीरा बनाया। छात्राओं एवं स्टाफ सदस्यों ने इस फूड स्टॉल के स्वादिष्ट व्यंजनों का लुत्फ उठाया तथा इस प्रयास की सराहना की।

Tags: Working for food security | responsibility of all of us | VC Prof. Sudesh

RELATED POSTS

विदेशी बहू का प्रीमियर सनसिटी में

नींद क्यों रात भर नहीं आती?

दोआबा कालेज में सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट पर संगोष्ठी आयोजित

COMMENTS

Name

Email

Comment

I'm not a robot

Post Comment

INNOCENT HEARTS SCHOOL
LAUNCHING
INNOKIDS
EARLY LEARNING
MINDS
For Pre-Schoolers
REGISTRATION OPENS SEPTEMBER 02, 2024
1800 833 4600
www.innocenthearts.in

POPULAR POSTS

Weekly Posts

Top industry leaders hail PM Modi's vision for digital...

MSDE, Meta partner to integrate AI, VR, MR into Skill India...

Pushpa and Dilip's bond starts to kindle while he faces...

PU invites applications for admission at B.Ed. (Correspondence)

Axis Bank achieves No. 1 Position as UPI Payer Payment...

FOLLOW US

Facebook | X (Twitter) | Linkedin | Youtube | Email

RECOMMENDED POSTS

Opinion
Biggest reason for Cong's defeat in Haryana is Bhupinder...

Rahul Gandhi has not improved, he's aligned with anti-national...

Union Minister Kiren Rijiju: Congress sought to diminish...

'Also our festival': Trudeau greets Hindu Canadians on...

Zakir Naik's stance on beef consumption ban is welcome:...

Gurdas Maan: Punjabi music will never lose its connection...

CONTACT US

For Advertisement, News, Article, Advertorial, Feature etc please contact us: cityairnews@gmail.com



© 2020 Cityairnews - All Rights Reserved. Designed & Developed By: TechieFormation

Play / Stop Audio

# महिला विवि में साहित्यिक पठन-पाठन पर व्याख्यान आयोजित

Girish Saini Oct 18, 2024 11:00 0

HAMPTON SKY REALTY LIMITED
We are 600+ family strong
Yours could be next
RERA NO : PBRERA-LDH44-PR0449
HAMPTON HOMES
BUILDING AN AFFORDABLE TOMORROW

खानपुर कलां, गिरीश सैनी। भगत फूल सिंह महिला विवि के अंग्रेजी विभाग में विषय "रीडिंग लिटरेरी टेक्स्ट्स: व्हाई, व्हिच, एंड हाउ" विषय पर एक विस्तार व्याख्यान का आयोजन किया गया। बतौर मुख्य वक्ता, एमडीयू रोहतक के अंग्रेजी एवं विदेशी भाषा विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. जयबीर सिंह हुड्डा ने शिरकत की।

मुख्य वक्ता, प्रो. जयबीर सिंह हुड्डा ने अपने व्याख्यान में साहित्यिक जुड़ाव से संबंधित प्रमुख प्रश्नों पर चर्चा की - हम क्यों पढ़ते हैं, कौन से ग्रंथों का चयन करें और विश्लेषणात्मक मानसिकता के साथ उनका अध्ययन कैसे करें। उन्होंने बताया कि पढ़ने में सुनना और देखना शामिल है। उन्होंने इस बात पर भी प्रकाश डाला कि प्राचीन काल में कहानी कहने से लेकर आज के सोशल मीडिया तक, रोज़मर्रा की ज़िंदगी में साहित्य किस प्रकार अपरिहार्य है। साहित्यिक विधाओं और परंपराओं के उदाहरण देकर मुख्य वक्ता ने ग्रंथों की प्रासंगिक समझ, व्याख्या और आलोचनात्मक प्रशंसा के महत्व को रेखांकित किया। व्याख्यान उपरांत उन्होंने प्रतिभागियों के प्रश्नों के उत्तर दिए।

कार्यक्रम के प्रारंभ में डीन, कला एवं भाषा संकाय प्रो. अशोक वर्मा ने स्वागत संबोधन किया तथा कार्यक्रम की विषय वस्तु पर प्रकाश डाला। शोधार्थी सोनम ने वक्ता का परिचय दिया। अंग्रेजी विभाग की अध्यक्षा प्रो. गीता फोगाट ने धन्यवाद ज्ञापित किया तथा मुख्य वक्ता को पौधा भेंट कर सम्मानित किया।

Tags: Lecture on literary reading | women's university

RELATED POSTS
विदेशी बहू का प्रीमियर सनसिटी में
नींद क्यों रात भर नहीं आती?
दोआबा कालेज में सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट पर संगोष्ठी आयोजित

COMMENTS

Name
Email
Comment
I'm not a robot
Post Comment

INNOCENT HEARTS SCHOOL
LAUNCHING INNOKIDS EARLY LEARNING
NURTURING CURIOUS MINDS
REGISTRATION OPENS SEPTEMBER 02, 2024
1800 833 4600
www.innocenthearts.in

Discover related topics
व्याकरण अनुवाद विधि
भारतीय साहित्य
भाषा शिक्षण के उद्देश्य
आध्यात्मिक किताबें Pdf
हिन्दी भाषा शिक्षण Pdf Download

POPULAR POSTS
Weekly Posts
Top industry leaders hail PM Modi's vision for digital...
MSDE, Meta partner to integrate AI, VR, MR into Skill India...
Pushpa and Dilip's bond starts to kindle while he faces...
PU invites applications for admission at B.Ed. (Correspondence)
Axis Bank achieves No. 1 Position as UPI Payer Payment...

FOLLOW US
Facebook X (Twitter) Linkedin Youtube Email

RECOMMENDED POSTS
Opinion
Biggest reason for Cong's defeat in Haryana is Bhupinder...
Rahul Gandhi has not improved, he's aligned with anti-national...
Union Minister Kiren Rijiju: Congress sought to diminish...
'Also our festival': Trudeau greets Hindu Canadians on...
Zakir Naik's stance on beef consumption ban is welcome:...
Gurdas Maan: Punjabi music will never lose its connection...

CONTACT US

For Advertisement, News, Article, Advertorial, Feature etc please contact us: cityairnews@gmail.com



© 2020 Cityairnews - All Rights Reserved. Designed & Developed By: TechieFormation
Terms & Conditions Privacy Policy

# भोजन जरूरत भर नहीं, है एक बुनियादी अधिकार

**गोहाना मुद्रिका न्यूज, 18 अक्तूबर :**

बी.पी.एस. महिला विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूट ऑफ हायर लर्निंग में खाद्य एवं पोषण विभाग द्वारा शुक्रवार को वर्ल्ड फूड डे के अवसर पर छात्राओं को वैश्विक भूख, खाद्य सुरक्षा तथा सस्टेनेबल कृषि के प्रति जागरूक किया गया। वी.सी. प्रो. सुदेश ने कहा कि भोजन केवल हमारी जरूरत नहीं, बल्कि एक बुनियादी अधिकार है। एक स्वस्थ एवं पोषित राष्ट्र के निर्माण के लिए पौष्टिक आहार अत्यंत आवश्यक है तथा खाद्य सुरक्षा के लिए कार्य करना हम सभी की जिम्मेवारी है। कार्यक्रम का शुभारंभ आई.एच.एल. की प्रिंसिपल डॉ. वीना ने किया। कार्यक्रम में छात्राओं को इस वर्ष के खाद्य दिवस के थीम -राइट टू फूड फॉर ए बेटर लाइफ एंड बेटर फ्यूचर की जानकारी दी गई। एम.एस.सी. प्रथम और द्वितीय वर्ष की छात्राओं तथा विभाग की शोधार्थियों ने पोषक रेसिपियों द्वारा स्वादिष्ट व्यंजन भी तैयार किए। बी.एस.सी. (होम साइंस) की छात्राओं ने डॉ. कल्पना एवं प्रीति धनखड़ के मार्गदर्शन में फूड स्टॉल भी लगाया, जहां उन्होंने वेज कटलेट एवं जलजीरा बनाया।

पंजाब केसरी
SAT, 19 OCTOBER 2024
EDITION: SONIPAT KESARI, PAGE NO. 1

# भोजन जरूरत भर नहीं, है एक बुनियादी अधिकार : प्रो. सुदेश

वर्ल्ड फूड डे की गतिविधियों में प्रतिभागी छात्राएं। (अरोड़ा)

गोहाना, 18 अक्तूबर (अरोड़ा): बी.पी.एस. महिला विश्वविद्यालय के इंस्टीच्यूट ऑफ हायर लर्निंग में खाद्य एवं पोषण विभाग द्वारा शुक्रवार को वर्ल्ड फूड डे के अवसर पर विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। छात्राओं को वैश्विक भूख, खाद्य सुरक्षा तथा सस्टेनेबल कृषि के प्रति जागरूक किया गया।

वी.सी. प्रो. सुदेश ने कहा कि भोजन केवल हमारी जरूरत नहीं, बल्कि एक बुनियादी अधिकार है। एक स्वस्थ एवं पोषित राष्ट्र के निर्माण के लिए पौष्टिक आहार अत्यंत आवश्यक है तथा खाद्य सुरक्षा के लिए कार्य करना हम सभी की जिम्मेदारी है। कार्यक्रम का शुभारंभ आई.एच.एल. की प्रिंसीपल डॉ. वीना ने किया।

कार्यक्रम में छात्राओं को इस वर्ष के खाद्य दिवस के थीम 'राइट टू फूड फॉर ए बैटर लाइफ एंड बैटर फ्यूचर' की जानकारी दी गई।

छात्राओं ने भाषण तथा काव्य पाठ प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया। उन्होंने खाद्य सुरक्षा एवं पोषक खान-पान के प्रति जागरूकता का संदेश देता एक नुक्कड़ नाटक भी प्रस्तुत किया। एम.एस.सी. प्रथम और द्वितीय वर्ष की छात्राओं तथा विभाग की शोधार्थियों ने पोषक रैसिपियों द्वारा स्वादिष्ट व्यंजन भी तैयार किए।

बी.एससी. (होम साइंस) तृतीय वर्ष की छात्राओं ने डॉ. कल्पना एवं प्रीति धनखड़ के मार्गदर्शन में फूड स्टॉल भी लगाया, जहां उन्होंने वैज कटलेट एवं जलजीरा बनाया। इस अवसर पर प्रो. बीनू तंवर, डॉ. परविंदर कौर तथा प्रीति धनखड़ सहित अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

# स्वस्थ राष्ट्र के लिए पौष्टिक आहार जरूरी

**गोहाना।** गांव खानपुर कलां में भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय में खाद्य और पोषण विभाग की तरफ से विश्व खाद्य दिवस मनाया गया। विभिन्न गतिविधियों में छात्राओं ने भाग लिया। छात्राओं को वैश्विक भूख, खाद्य सुरक्षा तथा टिकाऊ कृषि के प्रति जागरूक किया गया। महिला विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुदेश ने कहा कि भोजन केवल हमारी जरूरत नहीं, बल्कि एक अधिकार है। एक स्वस्थ और पोषित राष्ट्र के निर्माण के लिए पौष्टिक आहार जरूरी है। संवाद

# पढ़ने में सुनना व देखना शामिल

**गोहाना।** गांव खानपुर कलां स्थित भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग में व्याख्यान का आयोजन किया गया। विषय साहित्यिक पाठ पढ़ना : क्यों, कौन-सा, कैसे, रहा। मुख्य वक्ता के रूप में रोहतक महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के अंग्रेजी एवं विदेशी भाषा विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. जयबीर सिंह हुड्डा ने शिरकत की। प्रो. जयबीर सिंह हुड्डा ने कहा कि पढ़ने में सुनना व देखना शामिल है। प्राचीन काल में कहानी कहने से लेकर आज के सोशल मीडिया तक, रोजमर्रा की जिंदगी में साहित्य किस प्रकार अपरिहार्य है। साहित्यिक विधाओं व परंपराओं के उदाहरण देकर प्रो. हुड्डा ने ग्रंथों की प्रासंगिक समझ, व्याख्या व आलोचनात्मक प्रशंसा के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि साहित्यिक रचनाएं मानव अनुभव की ऐसी खिड़कियों के रूप में काम करती हैं, जो समाज, संस्कृति व व्यक्तिगत मनोविज्ञान में गहन अंतर्दृष्टि प्रदान करती हैं। संवाद

# भोजन केवल जरूरत नहीं, एक बुनियादी अधिकार : प्रो . सुदेश

वि., गोहाना : भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूट आफ हायर लर्निंग में खाद्य एवं पोषण विभाग द्वारा शुक्रवार को वर्ल्ड फूड डे के अवसर पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। छात्राओं को वैश्विक भूख, खाद्य सुरक्षा और सस्टेनेबल कृषि के प्रति जागरूक किया गया। कुलपति प्रो. सुदेश ने कहा कि भोजन केवल हमारी जरूरत नहीं, बल्कि एक बुनियादी अधिकार है। एक स्वस्थ एवं पोषित राष्ट्र के निर्माण के लिए पौष्टिक आहार अत्यंत आवश्यक है। खाद्य सुरक्षा के लिए कार्य करना हम सभी की जिम्मेदारी है। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डा. वीना ने की। छात्राओं को इस वर्ष के खाद्य दिवस के थीम -राइट टू फूड फार ए बेटर लाइफ एंड बेटर फ्यूचर की जानकारी दी गई। छात्राओं ने भाषण तथा काव्य पाठ प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया। छात्राओं स्वादिष्ट व्यंजन भी तैयार किए।

प्रो . सुदेश, कुलपति